संगीत - स्वरवाद्य में स्नातक(बी0ए0)

<u>उद्देश्य</u> - *इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को संगीत का प्रारम्भिक ज्ञान (सैद्धांतिक एवं प्रयोगात्मक पक्ष) देकर उनमें शास्त्रीय संगीत के ज्ञान की नींव डालना है।*

प्रथम सेमेस्टर कोर कोर्स का पाठ्यक्रम

क्र0 सं0	कोर्स शीर्षक	कोर्स कोड	अंक	श्रेयांक
1.	**भारतीय संगीत का परिचय I – स्वर वाद्य एवं प्रयोगात्मक**	**BAMI(N)-101**	**100**	**4**
प्रथम खण्ड	**भारतीय संगीत का परिचय I- स्वरवाद्य**		**50**	**2**
	इकाई 1 - भारतीय संगीत की अवधारणा।			
	इकाई 2 - परिभाषा (श्रुति, स्वर, सप्तक, वर्ण, अलंकार, , राग, आलाप, लय, लयकारी, मात्रा, ताल, ठेका, आवर्तन, सम, ताली, खाली एवं विभाग)।			
	इकाई 3- स्वर वाद्य, ताल वाद्य एवं अपने वाद्य का ज्ञान, संरचना एवं मिलाने की विधि।			
	इकाई 4- संगीतज्ञों का जीवन परिचय (पं0 वी0एन0 भातखण्डे, पं0 वी0 डी0 पलुस्कर एवं सदारंग-अदारंग)।			
	इकाई 5- भातखण्डे स्वरलिपि पद्धति का परिचय ; राग यमन का परिचय एवं मसीतखानी/विलम्बित गत एवं रजाखानी/द्रुत गत को तोडों सहित लिपिबद्ध करना ; राग बिलावल का परिचय एवं रजाखानी/द्रुत गत को तोड़ो सहित लिपिबद्ध करना।			
	इकाई 6- भातखण्डेताललिपि पद्धति का परिचय ; पाठयक्रम की तालों तीनताल एवं चारताल के ठेके एवं उनको दुगुन एवं चौगुन लयकारी सहित लिपिबद्ध करना।			
द्वितीय खण्ड	**प्रयोगात्मक**		**50**	**2**
	इकाई 7- राग यमन का परिचय एवं स्वर विस्तार।			
	इकाई 8- राग यमन में मसीतखानी/विलम्बित गत आलाप एवं तोड़े सहित।			
	इकाई 9- राग यमन में रजाखानी/द्रुत गत आलाप एवं तोड़े सहित।			
	इकाई 10- राग बिलावल का परिचय एवं स्वर विस्तार।			
	इकाई 11- राग बिलावल में मसीतखानी/विलम्बित एवं रजाखानी/द्रुत गत आलाप एवं तोड़े सहित।			
	इकाई 12- पाठ्यक्रम के तालों तीनताल एवं चारताल की पढन्त।			
	इकाई 13- पाठ्यक्रम के तालों तीनताल एवं चारताल के ठेकों को दुगुन एवं चौगुन लयकारी में पढ़ना।			
	इकाई 14- पाठ्यक्रम सम्बन्धित मौखिक परीक्षा।			

राग – यमन एवं बिलावल **ताल - तीनताल एवं चारताल**